

**अवनिर्धारण** पुं. (तत्.) कम आंकना।

**अवनिसुत** पुं. (तत्.) भौम, मंगल ग्रह। इसे भूमि का पुत्र माना गया है।

**अवनिसुता** स्त्री. (तत्.) जानकी, सीता, भूमिसुता, भूमिजा।

**अवनींद्र** पुं. (तत्.) भूपति, राजा।

**अवनी** स्त्री. (तत्.) दे. अवनि।

**अवनीतल** पुं. (तत्.) दे. अवनितल।

**अवनीश** पुं. (तत्.) पृथ्वीपति, राजा।

**अवनीश्वर** पुं. (तत्.) दे. अवनीश।

**अवनीसुता** स्त्री. (तत्.) दे. अवनिसुता।

**अवनेजन** पुं. (तत्.) 1. धोना 2. हाथ-पाँव धोने का पानी 3. पिंडदान के समय बिछौने पर पानी छिड़कना दे. नेजन।

**अवपंक** पुं. (तत्.) वाहित मल से अलग किया हुआ ठोस भाग जो फसलों के लिए खाद के रूप में काम आता है sludge

**अवपाक** पुं. (तत्.) वह व्यक्ति जो अच्छा भोजन न बना पाता हो वि. बुरी तरह पकाया हुआ।

**अवपाटिका** स्त्री. (तत्.) लिंगेन्द्रिय का एक रोग जिसमें लिंग को ढकने वाली चमड़ी फट जाती है।

**अवपात** पुं. (तत्.) 1. पतन, अधः पतन, गिराव, नीचे गिरने की क्रिया 2. कुंड, हाथियों को गिराकर फंसाने के लिए एक प्रकार का गड्ढा जिसे घास-फूस से ढक दिया जाता है 3. विस्फोट होने पर उससे इधर-उधर बिखर कर गिरने वाली सामग्री fallout

**अवपातन** पुं. (तत्.) सा.अर्थ. गिराना, नीचे उतारना सैवि. अल्पदृश्यता की स्थिति या अभ्यास के समय भूस्थित उपकरणों अथवा रेडार कार्मिक की सहायता से पायलट द्वारा विमान का भूमि पर सुरक्षित अवतरण दे. यंत्राश्रित उड़ान।

**अवपीडन** पुं. (तत्.) दबाने की क्रिया; निचोड़ना।

**अव-प्रभार** पुं. (तत्.) वाणि. सामान्य कीमत या धनराशि की अपेक्षा कम कीमत या रकम लेना।

**अवप्रमाण** पुं. (तत्.) दे. अवप्रभार।

**अवप्राक्कलन** पुं. (तत्.) वाणि. वास्तविक, वांछित या अभीष्ट मात्रा से कम किया गया प्राक्कलन under estimation

**अवप्रेरण** पुं. (तत्.) किसी को अपराध के लिए प्रेरित करना।

**अवबाहुक** पुं. (तत्.) हाथ का एक रोग जिसमें हाथ की गति रुक जाती है, भुजस्तंभ।

**अवबुद्ध** वि. (तत्.) 1. जाना हुआ, ज्ञात 2. जाननेवाला।

**अवबोध** पुं. (तत्.) 1. ज्ञान, बोध जागना 2. जगना 3. 4. शिक्षण, सिखाना।

**अवबोधक** पुं. (तत्.) 1. प्रहरी 2. ज्ञानदाता, शिक्षक 3. संकेतक 4. भार वि. 1. चेतानेवाला 2. जाननेवाला।

**अवबोधन** पुं. (तत्.) 1. चेताने, ज्ञापन 2. ज्ञान 3. इंद्रियज्ञान।

**अवभास** पुं. (तत्.) 1. प्रत्यक्षण, ज्ञान 2. प्रकाश 3. चमक 4. झलक, आभास 5. मिथ्या ज्ञान।

**अवभासक** पुं. (तत्.) 1. (सर्वत्र आभासयुक्त) परब्रह्म, ईश्वर वि. बोध कराने वाला, प्रतीति कराने वाला।

**अवभासित** वि. (तत्.) 1. लक्षित, प्रतीत 2. प्रकाशित।

**अवभूमि सिंचाई** स्त्री. (तत्.) कृषि खुली खाइयों में तब तक पानी देते रहना जब तक भूमि का जल-स्तर इतना ऊँचा न हो जाए कि वह मृदा के जड़-क्षेत्र को गीला कर दे sub-irrigation

**अवभृथ** पुं. (तत्.) 1. मुख्य यज्ञ की समाप्ति पर शुद्धि के लिए किया जाने वाला स्नान 2. शुद्धि के लिए प्रयुक्त जल 3. मुख्य यज्ञ की समाप्ति के पश्चात् हुई त्रुटियों की शांति के लिए किया जाने वाला अतिरिक्त यज्ञ।